हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

11 दृढ़ संकल्प ही आपकी सफलता की पहली...

12 फटकार का ऐसा हुआ असर, दिवारों पर चढ़ ...

डेयरियां शहर के 'अंदर', पशुओं का गोबर नालों एवं सीवर के 'बाहर' फैला रहा दुर्गंध

शहर के अंदर संचालित हैं 500 डेयरियां, गोबर की वजह से जाम रहते नाले व सीवर

भिवानी। गोशाला मार्केट में नाले से बाहर सड़क पर फैला पशु डेयरियों का गोबर , घरों व दुकानों के सामने नाले से बाहर सड़क पर लगी गोबर की सतह और शहर के अंदर संचालित पशु डेयरी में बंधी भैंसें। फोटो : हरिभूमि

राकेश भटठी ▶▶| भिवानी

केंद्र सरकार स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत व राज्य सरकार स्वच्छ हरियाणा स्वस्थ हरियाणा अभियान चला लोगों को साफ सफाई के लिए जागरूक कर रही हैं, लेकिन शहर के अंदर अवैध रुप से संचालित पशु डेयरियां के संचालक सरकार के आदेश को ठेंगा दिखा रहे हैं ।

शहर के अंदर संचालित पशु डेयरियों की गंदगी, गोबर व मूत्र नालियों, नालों व सीवरेज के मैनहॉल के बाहर सड़कों पर फैलकर शहर के सौंदर्यीकरण को ग्रहण लगा रहा हैं। नप व जिला प्रशासन सालों से पशु डेयरियों को शहर एवं रिहायशी क्षेत्रों से बाहर स्थानांतरित करने का दावा करते आ रहे हैं, लेकिन धरातल पर दावे शून्य प्रतीत हो रहे हैं, ऐसे में शहरवासियों का जीना दूभर हो चुका हैं और वे दुर्गंध व बदबूदार माहौल में जीने को मजबूर हैं।

उल्लेखनीय हैं नगर परिषद व जिला प्रशासन शहर को सुंदर एवं गंदगी मुक्त बनाने के लाख दावे करता हैं, लेकिन धरातल पर हकीकत आपको विपरीत नजर आएंगी, क्योंकि इसके पीछे मुख्य कारण शहर के बीचों बीच संचालित करीब 500 पशु डेयरियां हैं, जिनमें से अधिकतर कनेक्शन सीवर लाइन में किए हुए हैं। डेयरियों के कनेक्शन सीवर लाइन में होने के चलते डेयरी संचालक गोबर को उठाने की बजाय पानी की पाइप गोबर व पेशाब पर छोड़ देते हैं और गोबर पानी के साथ मिक्स होकर सीवर लाइन में जाता रहता हैं। डेयरियों का गोबर सीवर लाइन में जाकर सतह के रुप में जम जाता हैं और इसी वजह से अक्सर सीवरेज लाइन जाम रहती हैं। नालों में पानी के साथ गोबर का बहाव होने से सारा गोबर सड़कों पर फैल जाता हैं, जिसकारण राहगीरों एवं क्षेत्रवासियों को दुर्गंध व बदबूदार माहौल से जूझना पड़ता हैं। शहर के बीचों-बीच घनी आबादी में कृष्णा कॉलोनी, खाड़ी मोहल्ला, दिनोद गेट क्षेत्र, खाखी बाबा मंदिर क्षेत्र, मानान पाना, पटेल नगर, गुजरों की ढाणी, जोगीवाली देवी माता मंदिर क्षेत्र, पुराना बस स्टैंड, बावड़ी गेट, हनुमान ढाणी, पीपलीवाली जोहड़ी, आजाद नगर, टिब्बा बस्ती, बिछवाना जोहड़ क्षेत्र, नूनसर जोहड़ क्षेत्र, जैन चौक, रामगंज मोहल्ला, शांति नगर, भारत नगर, एमसी कॉलोनी, फैंसी चौक, डोबी तालाब, हालु मोहल्ला, विद्या नगर, कीर्ति नगर व महम रोड नई बस्ती सहित अनेक इलाकों में अवैध रुप से पशु डेयरी संचालित हैं, जिससे क्षेत्र में गंदगी फैल रही हैं। वहीं नप के चेयरपर्सन प्रतिनिधि समय समय पर डेयरी संचालकों को नोटिस देने व जुर्माना लगाने की बात कहते हैं।

शहर में अनेक स्थानों पर डेयरियों का गोबर खुले में पड़ा हैं और गोबर के ढेरों में मक्खी-मच्छर पनन रहे हैं, जो कुछ देर बाद बाजार व घर में खाद्य सामग्री पर जाकर भिनभिनाने लगती हैं और गोबर व गंदगी से लाई दुर्गंध को खाने पर छोड़ देती हैं, जिसे खाकर व्यक्ति बीमारी का शिकार हो रहे हैं।

बार शिकायत के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

गोशाला मार्केट क्षेत्रवासी मोनू ने बताया कि गोशाला मार्केट के अलावा शहर में अनेक जगह पशु डेयरियां संचालित हैं। डेयरी संचालक हर दूसरे दिन डेयरी में एकत्रित गोबर के ढेर में पानी छोड़कर उसे नाले एवं सीवरेज में बहा देते हैं। इसके लिए वे अनेक बार नगर परिषद में अधिकारियों व कर्मचारियों तथा जिला प्रशासन को शिकायत दर्ज करवा चुके, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की जा रही, बल्कि उल्टा डेयरी संचालक गोबर ऐसे ही बहाने तक की धमकी देते रहते हैं।

लगाया जाएगा मोटा जुर्माना

शहर में करीब 500 डेयरियां हैं, जिन्हें शहर के बाहर स्थानांतरित करने व गोबर नालों व सीवर में न बहाने को लेकर नोटिस दिए जा रहे हैं। कुछ डेयरी संचालकों ने डेयरियों को शहर के बाहर स्थानांतरित भी किया हैं, लेकिन कुछ डेयरी संचालक गोबर एवं गंदगी को सीवर व नालों में बहाते हैं, उन्हें नोटिस देकर जुर्माना लगाया भी जा रहा हैं। इसके बाद भी अगर वे नहीं माने तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना भी मोटा लगाया जाएगा। वहीं पशुपालक गोवंश का दूध निकालकर उन्हें खुला छोड़ देते हैं, इन्हें बांधकर रखे, अन्यथा नप की टीम उन्हें पकड़कर नंदीशाला में छोड़ेगी, जिससे पशुपालकों को असुविधा होगी। नप स्वच्छता को लेकर शहर में अच्छा कार्य कर रही हैं, इसलिए डेयरी संचालक व शहरवासी भी सहयोग करें और स्वच्छता रैंकिंग में भिवानी को अव्वल स्थान पर लाने के लिए स्वच्छता अपनाने में सहयोग करें।

-भवानी प्रताप सिंह, चेयरपर्सन प्रतिनिधि, नप, भिवानी

आठ को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ आठ पीठासीन अधिकारी किए गए नियुक्त

हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत आठ मार्च को आयोजित की जाएगी। इस लोक अदालत की सुनवाई के लिए आठ पीठासीन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन देशराज चालिया ये जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सुनवाई के लिए आठ पीठों का गठन किया गया है।

भिवानी कोर्ट के अलावा तोशाम, लोहारू व सिवानी उपमंडल कोर्ट पर भी लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट भिवानी जयवीर सिंह सिंधू, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष कुमार, एसीजे-एसडी भिवानी सोहन लाल मलिक, सीजे-जेडी-कम-जेएमआईसी भिवानी अंतरप्रीत सिंह, सीजे-जेडी-कम-जेएमआईसी भिवानी श्रीसती, एसीजे-एसडी-कम-एसडीजेएम सिवानी मोहम्मद जकारिया खान, एसीजे-एसडी-कम-एसडीजेएम तोशाम सुनील कुमार, तथा लोहारू के सीजे-जेडी-कम-जेएमआईसी हिमांशु जांगडा को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए पीठासीन अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा लोक अदालत के केसों को लेने के लिए भी न्यायालय के जजों की ड्यूटी के साथ-साथ पैनल अधिवक्ताओं को भी जिम्मेदारी सौपी गई है।

बाबा मुंगीपा विद्यापीठ की छात्रा शबनम को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

■ 13वीं हरियाणा यूथ एथलेटिक चैंपियनशिप

13वीं हरियाणा यूथ एथलेटिक चैंपियनशिप जोकि 26 फरवरी को करनाल के करण स्टेडियम में आयोजित हुई थी इसमें तोशाम क्षेत्र के गांव बुशाण स्थित बाबा मुंगीपा विद्यापीठ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा शबनम ने भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर विद्यालय तथा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्रा शबनम की इस उपलब्धि पर बाबा मुंगीपा विद्यापीठ विद्यालय के संचालक डॉक्टर नरेश कुमार जांगड़ा ने होनहार छात्रा शबनम को पुरस्कृत कर सम्मानित किया तथा छात्र के पिता संदीप को बधाई दी। इससे पहले भी शबनम ने सन 2024 में विभिन्न उपलब्धियां प्राप्त की थी उन सभी उपलब्धियां में से यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही जिसके लिए डॉक्टर नरेश कुमार जांगड़ा ने शबनम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नोडल सेंटर बना चौधरी बंसीलाल विवि, विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 कार्यक्रम का आयोजन

भिवानी। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 का आयोजन किया जा रहा है जिसमें देशभर से 300 नोडल केंद्र बनाए गए हैं । चरखी दादरी, भिवानी और महेंद्रगढ़ इन तीन जिलों का नोडल केंद्र चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय को बनाया गया है, विश्वविद्यालय के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। यह जानकारी चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ भावना शर्मा एवं डीन स्टूडेंट वेलफेयर व इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ सुरेश मलिक ने संयुक्त रूप से दी है। उन्होंने बताया कि चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2025 कार्यक्रम का आयोजन 17 मार्च को प्रातः 9:00 बजे विश्वविद्यालय के प्रेम नगर स्थित नए परिसर के श्रीनिवास रामानुजन सभागार में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले स्तर पर इसकी थीम वन नेशन वन इलेक्शन :विकसित भारत की राह रखा गया है। 18 से 25 वर्ष के युवक माई भारत पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीकरण 09 मार्च तक करवा सकते हैं। भिवानी, चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ से 50-50 युवाओं का चयन कर कुल 150 युवाओं का चयन किया जाएगा।

■ थीम वन नेशन वन इलेक्शन : विकसित भारत की राह रखा गया

भिवानी ब्लॉक की नेत्रदान समिति देशभर में द्वितीय, हरियाणा में प्रथम

■ अब तक 96 नेत्रदान व पांच शरीरदान करवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

आंखें है तो जगत है, क्योंकि हम आंखों से ही इस सारे जगत को देख पाते है, जब किसी के पास आंखें ना हो तो उसके पास दान दी गई आंखों से देखना एकमात्र उपाय बचता है।

डेरा सच्चा सौदा ने ऐसे नेत्रहीन लोगों के लिए आई डोनेशन समिति का गठन किया हुआ है, जो मृत्यु उपरांत आंखें दान लेने की प्रक्रिया को न केवल पूरा करवाती है, बल्कि जीवित व्यक्ति का आंखे दान करने की इच्छा होने पर उसका फॉर्म भरवाने का काम भी करती है। भिवानी की आई डोनेशन समिति नेत्रदान में इन्हीं मायनों में खुद को बेहतरीन कार्यो के बल पर अलग खड़ा करती है। देशभर में डेरा सच्चा सौदा द्वारा विभिन्न ब्लॉकों की आई डोनेशन समितियां नेत्रदान का कार्य करती है, इनमें भिवानी आई डोनेशन समिति ने हरियाणा प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा देशभर में पंजाब के मलोट के बाद द्वितीय स्थान प्राप्त कर डेरा सच्चा सौदा दरबार से स्मृति चिह्न प्राप्त किया है। 24 फरवरी को सिरसा दरबार से स्थानीय तोशाम रोड स्थित मानवता भलाई केंद्र में लौटने पर नेत्रदान समिति सदस्यों का भिवानी ब्लॉक के डेरा प्रेमियों ने स्वागत कर उनके कार्य की प्रशंसा की। डेरा प्रेमियों द्वारा ब्लॉक स्तरीय नामचर्चा का आयोजन भी किया। नेत्रदान समिति ब्लॉक के जिम्मेवार मनीष इन्सां, मनोज इन्सां व पंकज इन्सां ने बताया कि पूज्य गुरू संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सा की प्रेरणा से वे नेत्रदान के लिए लोगों को प्रेरित करते है तथा नेत्रदाता व्यक्ति की मृत्यु उपरांत उनके परिजनों द्वारा सूचित करने पर उनकी सहमति से नेत्रदान करवाते है। इसके लिए वे नेत्र चिकित्सकों के पास सूचना भेजते है तथा नेत्रदाता के परिजनों की सहमति लेते है, जिसके बाद मृत्यु के तीन से 6 घंटे बाद तक नेत्रदान संभव हो पाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने वर्ष 2009 से लेकर 2025 तक 96 नेत्रदान भिवानी ब्लॉक से करवाएं। भिवानी ब्लॉक की इन्ही उपलब्धियों के चलते उन्हे देश भर में दूसरा व हरियाणा में प्रथम स्थान मिला है। इस मौके पर डेरा सच्चा सौदा के 85 मैंबर पूर्व एसडीओ जगदीश इन्सां, ब्लॉक प्रेमी सेवक राजू मिस्त्री, 15 मैंबर प्रदीप इन्सां, सुरेंद्र इन्सां, भीम इन्सां, सोम इन्सां, कशिश इन्सां, 85 मैंबर ललित, 85 मैंबर बहन वनिता, 85 मैंबर बहन शीला ढींगड़ा, 15 मैंबर बहन सुमन यादव, वीना, संतोष, सविता, ममता, लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

भिवानी। डेरा सच्चा सौदा की देशभर की शाखाओं में द्वितीय स्थान हासिल करने वाली भिवानी ब्लॉक की टीम। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 20 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जन्मदिन प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का विशेष दिन होता है, इस दिन को दिखावे के फेर से बाहर निकलते हुए फिजूल खर्ची की बजाय जनसेवा कर मनाना चाहिए, ताकि वह जन्मदिन ना केवल स्वयं, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी यादगार बना रहे। इसी उद्देश्य के साथ टाटा ग्रुप के फाउंडर जमशेद टाटा के जन्मदिन पर सोमवार को टाटा एआईए लाईफ इंश्योरेंस भिवानी ब्रांच में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शिविर में चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल की ब्लड बैंक की टीम ने शिरकत की। टीम लीडर कृष्णा स्वामी, जगबीर, अशोक, अनिल, सुशील की अगुवाई में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में बतौर मुख्यतिथि मैनेजर मोनिका तथा विशिष्ट अतिथि शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने शिरकत की। शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान किया, जिन्हें अतिथियों ने बैज लगाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

विद्यालय में पहुंचकर किया जागरूक

■ नहीं चेते तो डीजल-पेट्रोल की भांति पानी के लिए भी पंप लगेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जल बचाओ जीवन बचाओ के तहत अभियान चलाकर जागरूक किया गया। जागरूकता अभियान में विभाग की तरफ से सतबीर सिंह पहुंचे और उन्होंने विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर, सत्यवान आदि की मौजूदगी में विद्यार्थियों को बताया कि हमें जल की महता को समझना होगा क्योंकि जल के बिना हमारे भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। आए दिन घरों में पानी व्यर्थ बहते हुए देखा जा सकता है। हमें पानी का दुरूपयोग करने से रोकना होगा। यदि समय रहते हम नहीं चेते तो वह दिन दूर नहीं जब डीजल-पैट्रोल की भांति पानी के लिए भी पंप लगेंगे और हमें पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझानी पड़ेगी।

भारत उपप्रधान बने रमेश सचिव नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ नगर पालिका कर्मचारी संघ के इकाई अध्यक्ष ने किया कार्यकारिणी का गठन

■ नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई

■ नप कर्मचारी संघ हरियाणा के कार्यालय में किया स्वागत

बीते दिनों नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के भिवानी इकाई का त्रिवार्षिक चुनाव सम्मेलन संपन्न हुआ था, जिसमें भिवानी इकाई के अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी जयहिंद को मिली थी। जिसके बाद नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के भिवानी इकाई अध्यक्ष जयहिंद ने इकाई कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें उपप्रधान की जिम्मेवारी भारत, सचिव की जिम्मेवारी रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी अमित बागड़ी, सह सचिव की जिम्मेवारी सतबीर, सलाहकार की जिम्मेवारी दलबीर, प्रैस प्रवक्ता की जिम्मेवारी प्रवीण बागड़ी को मिली। इसके अलावा बाला, मनीषा, ज्योति को सदस्य नियुक्त किया गया।

यह जानकारी नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने दी। उन्होंने बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों को सोमवार को स्थानीय नगर परिषद स्थित नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के कार्यालय मे फूल-मालाएं पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा उन्हे पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। प्रदेश सचिव पुरूषोत्तम दानव ने कहा कि नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना है, जिसके लिए वे समय-समय पर मजबूती से आवाज उठाते रहते है। उन्होंने कहा कि उन्हे पूरा विश्वास है कि नवनियुक्त पदाधिकारियों कर्मचारियों के हितों की आवाज बुलंद कर उनके हितों पर हो रहे कुठाराघात पर अंकुश लगाने की दिशा में कार्य करेंगे।

इस मौके पर नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हे जो जिम्मेवारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा एवं मेहनत से निर्वहन करेंगे तथा कर्मचारियों के हितों के लिए हर संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहेंगे।

दोषी पुलिस अधिकारी की गिरफ्तारी व के चाचा के विरुद्ध झूठा मुकदमा रद करने की मांग

पीड़ित छात्रा के माता-पिता ने परिवार सहित धरना किया शुरू

■ स्कूली छात्रा ने ताऊ पर लगाए थे दुष्कर्म के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी में पिछले दिनों स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर नाते में ताऊ लगने वाले पुलिस अधिकारी ने दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था।

मामले में कथित तौर पर दोषी अधिकारी के विरुद्ध महिला थाने में रिपोर्ट तो दर्ज हुई, लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित छात्रा के माता पिता व परिवार के सब्र का बांध टूट गया और सोमवार को वे दोषी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लघु सचिवालय परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। धरने की अध्यक्षता महाबीर, राममेहर व भतेरी ने संयुक्त रूप से की। उन्होंने बताया कि धरना पीड़ित छात्रा को न्याय दिलाने के लिए जन न्याय मोर्चा की तरफ से शुरू किया गया हैं।

उन्होंने कहा कि जब तक छात्रा के साथ दुष्कर्म करने वाले पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार नहीं किया जाता तथा छात्रा के सगे चाचा पर बलात्कार करने का झूठा मुकदमा रद नहीं किया जाता तब तक धरना जारी रहेगा। छात्रा के माता पिता ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया कि वे मेरी बेटी के साथ दुष्कर्म करने के दोषी पुलिस अधिकारी का महकमें में होने के कारण उसका बचाव कर रहे हैं।

भिवानी। लघु सचिवालय परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर विरोध जताते पीड़ित छात्रा के परिजन व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक स्वयं मामले की जांच करें

छात्रा के परिजनों ने कहा कि सिर्फ पुलिस अधीक्षक को छोड़कर उनका जिले की पुलिस पर कोई भरोसा नहीं बचा कि हमारी पीड़ित बेटी को न्याय मिलेगा। उन्होंने मांग की कि पुलिस अधीक्षक स्वयं मामले की जांच करें अन्यथा बड़े सिविल अधिकारी से न्यायिक जांच करवाई जाए। वर्तमान में बनी पुलिस एसआईटी पर उनका कोई विश्वास नहीं, अभी तक दोषी डयूटी पर तैनात हैं, जो सबूतों को नष्ट करने में लगा हुआ है। उन्होंने दोषी को तुरन्त सर्विस से निलम्बित करने व गिरफ्तार करने की मांग की है। पीड़ित छात्रा के पिता ने कहा कि उनके पास उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म करने की पुष्टि के परिस्थिति वश कुछ सबूत भी हैं, लेकिन वे पुलिस अधीक्षक को ही बताएंगे। उन्होंने कहा कि वे उनको व्यक्तिगत तौर पर मिलकर सुनेंगे तो ही वे बताएंगे। उन्होंने कहा कि वे गुर्दो की बीमारी से पीड़ित हैं और उनका समय समय पर डायलिसस होता है।

हरिभूमि सहेली

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी बनें डिजिटल एक्सपर्ट

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

सलाह

संध्या सिंह

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलांए सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

संघर्षशील नेता के बेबाक बोल हमेशा-हमेशा के लिए खामोश, दो माह से थे बीमार

■ पूर्वमंत्री सतपाल का निधन, छह बार लड़ा विधानसभा चुनाव, दो बार विधायक बने

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान का बीती देर रात निधन हो गया। सांगवान पिछले कई दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्होंने गुरुग्राम के मेदांता में अंतिम सांस ली। सुबह साढ़े आठ बजे शव को अंतिम दर्शन के लिए घर पर रखा गया।

दोपहर दो बजे अंतिम यात्रा शुरू हुई जो शहर से झोझू रामबास होते हुए पैतृक गांव चंदेनी में पहुंची और वहां उनका अंतिम संस्कार किया। उल्लेखनीय हैं कि पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान पिछले दो महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे, उसके लिवर में कैंसर से पीड़ित थे। 10 दिन पहले गुरुग्राम में मेदांता हॉस्पिटल में दाखिल करवाया गया था। बीती देर रात दो बजे उन्होंने अंतिम सांस ली, उनके निधन की खबर के बाद हजारों कार्यकर्ता निवास पर पहुंच गए। पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान ने वर्ष 1996 में बीएसएनएल में एसडीओ के पद से स्वैच्छिक रिटायरमेंट लेने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल की पार्टी हरियाणा विकास पार्टी (हविपा) में शामिल हुए थे। वर्ष 1996 के विधानसभा चुनाव में चौधरी बंसीलाल ने सतपाल सांगवान को चरखी दादरी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। इस चुनाव में सतपाल को जीत मिली और पहली बार विधायक बने। सांगवान को 2000 में हविपा से फिर चुनाव लड़ा, लेकिन राकांपा प्रत्याशी जगजीत सांगवान ने उन्हें हरा दिया। 2005 हविपा का कांग्रेस में विलय के बाद सांगवान ने निर्दलीय चुनाव लड़ा, जिसमें कांग्रेस के मेजर नृपेंद्र सांगवान से हार गए। इसके बाद वर्ष 2009 कुलदीप बिश्नोई की हजकां पार्टी से चुनाव लड़ा और जीत मिली। जीत के बाद सतपाल सांगवान कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस ने सरकार बनाकर उन्हें कैबिनेट मंत्री बनाया। इसके बाद 2014 में कांग्रेस और 2019 में जजपा से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। वर्ष 2024 उनके बेटे सुनील सांगवान ने जेल अधीक्षक पद से स्वैच्छिक रिटायरमेंट ली और भाजपा की टिकट से चुनाव लड़ा और दादरी विस से विधायक चुने गए।

चरखी दादरी । पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित करते सांसद धर्मबीर सिंह,व पूर्व मंत्री जेपी दलाल व अन्य ।अंतिम यात्रा में शामिल हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ । फोटो : हरिभूमि

माह पहले बेटी का निधन

सतपाल सांगवान की बेटी उषा कादियान (60) की डेढ़ महीने पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी, वह अपने मायके आई हुई थी। बेटी के निधन से सतपाल सांगवान को गहरा आघात लगा था और उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। 10 दिन पहले उनको मेदांता में दाखिल करवाया गया, लेकिन सेहत में सुधार नहीं हुआ।

बेटा सुनील भाजपा से विधायक

पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान का बेटा सुनील सांगवान दादरी से भाजपा पार्टी से विधायक है। पिता के कहने के बाद सुनील ने जेल सुप्रिटेंडेंट से स्वैच्छिक रिटायरमेंट लेने के बाद भाजपा ज्वाइन की थी। पार्टी ने सुनील को उम्मीदवार बनाया और जीत हासिल की। चुनाव में जीत का श्रेय सतपाल सांगवान की मेहनत और मिलनसार व्यवहार को था। सांगवान पूरे पांच साल मेहनत करने वाले नेता थे, जो हलके के लोगों के सुख और दुःख में खड़े रहते थे।

इन्होंने जताया शोक

सांगवान के निधन पर लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह, बाढ़ड़ा विधायक उमेद पातुवास, उचाना विधायक देवेंद्र अत्री, पूर्व विधायक रणबीर मंदोला, भाजपा जिलाध्यक्षा डॉ. किरण कलकल सहित अनेक नेताओं ने पहुंचकर शोक जताया।

खबर संक्षेप

युवाओं को एनएसएस के इतिहास की जानकारी दी

लोहारू। चौ बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ सरपंच संजीत श्योराण ने किया। प्राचार्य डॉ मुकेश चहल की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर के दौरान दौरान युवाओं को एनएसएस के इतिहास के बारे में बताया गया।कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुजीत कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान सुबह स्वयं सेवकों ने योगाभ्यास किया और डॉ सीमा ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। स्वयं सेवकों ने सफाई अभियान चलाया तथा उन्हें स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारी रमेश कुमार ने साइबर क्राइम मे बारे में जानकारी प्रदान की।

बैंकों के माध्यम से ऋण करवाया जाता है उपलब्ध

चरखी। हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के व्यक्तियों और बीपीएल परिवार को अपना स्वयं रोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि योजना का लाभ उन पात्र परिवारों को मिलेगा जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 1 लाख 80 हजार रुपये (परिवार पहचान पत्र अनुसार) से अधिक न हो, को बैंकों के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये तक का ऋण पशु पालन, किरयाना दुकान, मनियारी दुकान, ब्यूटी पार्लर, ई-रिक्शा, सूअर पालन या अन्य कोई लाभप्रद योजना इत्यादि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है।

अवैध खनन नहीं होगा सहन : उपायुक्त

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि जिले में अवैध खनन को किसी भी स्तर पर सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध खनन को लेकर प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और चेकिंग अभियान लगातार जारी है।

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी व खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग के स्पष्ट निर्देश है कि अगर कोई व्यक्ति अवैध खनन में संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

नोएडा में हो रहे 38वें अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में करेंगे शिरकत

दृढ़ संकल्प ही आपकी सफलता की पहली सीढ़ी: प्रो. दीप्ति धर्माणी

■ कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी एवं कुलसचिव डॉ भावना शर्मा ने दिया सांस्कृतिक टीम को जीत का मूलमंत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के युवा कल्याण विभाग की सांस्कृतिक टीम को एमएटी यूनिवर्सिटी नोएडा में हो रहे 38वें अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव के लिए रवाना करने से पूर्व कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चयनित विद्यार्थियों को जीत का मूलमंत्र देते हुए पूरी टीम में उत्साह भरा और कहा कि मन में दृढ़ संकल्प करके रखना कि जीत तुम्हारी होगी और तुम जीतने के लिए ही जा रहे हो। कहा कि कला से जुड़े विधार्थियों को उर्जावान और साकरात्मकता के साथ रहना चाहिए।

यही उर्जा और साकारात्मकता उनकी विजय यात्रा को नए आयाम प्रदान करती है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ भावना शर्मा ने कहा कि सभी विधार्थी अपनी साकारात्मक उर्जा के साथ अपना प्रदर्शन करें। विधार्थियों को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय स्तर के इस युवा महोत्सव में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के युवा कलाकार अपनी अमिट छाप छोड़ कर आएं। सांस्कृतिक दल के साथ बतौर टीम मैनेजर साथ जा रही युवा कल्याण विभाग की निदेशिका डॉ सोनल शेखावत ने कुलसचिव को भरोसा दिलाया कि उनकी टीम राष्ट्रीय स्तर पर न केवल बेहतरीन प्रदर्शन करेगी बल्कि डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रोफेसर सुरेश मलिक एवं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनकी टीम से जो उम्मीदें रखी गई है उस पर खरा भी उतरेगी। इस दौरान सुपरवाइजर रविंद्र शर्मा, वीएम बेचैन, ज्ञानेंद्र राज, और रजत महरान सहित नैशनल युवा महोत्सव में शामिल होने वाले विधार्थी मौजूद थे।

गौरतलब होगा कि अभी फरवरी माह में हिसार के ओम स्टर्लिंग ग्लोबल युनिवर्सिटी में नार्थ वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के विधार्थियो द्वारा स्किट, फोटोग्राफी और एलूकेशन में द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने के पश्चात नोयडा के एमएटी युनिवर्सिटी में आयोजित 38वें अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में शामिल होने का अवसर मिला है।

भिवानी। 38वें अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव के लिए रवाना करने से पहले कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चयनित विद्यार्थियों को जीत का मूलमंत्र देतेत हुए। फोटो : हरिभूमि

महिला महाविद्यालय में चल रहा सात दिवसीय एनएसएस शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

■ स्वयंसेविकाओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया

■ हरियाणवी लोक नृत्य,सामूहिक नृत्य एवं दहेज प्रथा नाटक प्रस्तुत किया

चौधरी बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में सात दिन से चल रहे एनएसएस शिविर का समापन महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य, डॉ. राजेन्द्र सिंह के निर्देशन व एनएसएस प्रभारी डॉक्टर अनुराधा शर्मा एवं डॉक्टर तरुणा यादव के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, डॉ. त्रिलोक चंद प्राचार्य राजीव गांधी महिला महाविद्यालय भिवानी द्वारा महाविद्यालय परिसर में स्थित सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई।

इस अवसर पर स्वयंसेविकाओं द्वारा सरस्वती वंदना का गायन भी प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात छात्राओं ने पर्यावरण बचाने का संदेश देकर कार्यक्रम शुरू किया। मुख्य अतिथि, डॉ. त्रिलोक चंद ने अपने संबोधन में स्वयं सेविकाओं के कार्य और उनके द्वारा दिखाए गए अनुशासन की सराहना की और उनकी प्रतिभा की भी प्रशंसा की। वहीं प्राचार्य ने भी स्वयंसेविकाओं को प्रेरित किया। इस मौके पर एनएसएस गीत, हरियाणवी लोक नृत्य,सामूहिक नृत्य एवं दहेज प्रथा पर नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने दहेज न लेने एवं देने की कसम खिलाई। इसके पश्चात मुख्यातिथि ने स्वयंसेविकाओ को प्रमाण पत्र वितरित किए।

समारोह के अंत में, मुख्य अतिथि ने एनएसएस यूनिट -1 से मुस्कान और यूनिट- 2 से भावना को बेस्ट वॉलिंटियर का पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में श्रेष्ठ कार्य करने वाली स्वयंसेविकाओं को भी सम्मानित किया। इसके पश्चात एनएसएस गीत और राष्ट्रीय गान के साथ इस शिविर का समापन हुआ।

बवानी खेड़ा में चुनावों के बाद दिखी शांति

■ नगर पालिका चुनाव रविवार को हो चुका है संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानी खेड़ा

रविवार को नगर पालिका चुनाव संपन्न हुआ। पिछले काफी दिनों से कस्बा में चल रहा शोर-शराबा रूक गया और लोगों ने भी राहत की सांस ली। सोमवार को जो लोग अपने अपने उम्मीदवार के पक्ष में अपने साथियों से बातचीत करना बंद कर गए थे वे दोबारा से उनके साथ बैठे हुए नजर आए और मतदान पर चर्चा करते हुए नजर आए। किसी ने हरियाणी लहजे में कहा कि ''थ्हारला कोनी म्हारला जितेगा तो किसी ने कहा ना यो कोनी वो जितेगा''।

चेयरमैनी पर लगे बड़े बड़े दांव

बवानी खेड़ा नगर पालिका चेयरमैनी के चुनाव में बड़े बड़े दाव लगे हुए हैं। जहां एक तरफ प्रदेश सरकार के मुखिया से लेकर मंत्रियों ने स्थानीय विधायक ने पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी वहीं 36 बिरादरी का नाम लेकर मैदान में उतरे बाकि क 10 उम्मीदवार भी अपनी अपनी जीत का बखान कर रहे हैं। लेकिन शहर में केवल तीन उम्मीदवारों की ही आपस में टक्कर बताई जा रही है। ये तिकोनीय मुकाबले में कोई भी जीत सकता है। कुछ लोगों का मानना है कि विधायक के डमरू बजाने से डमरू का भी काफी असर देखने को मिलेगा तो किसी ने बताया कि डमरू बजाने पर समय पर संभालने का लाभ मिलेगा वहीं कोई 36 बिरादरी से वोट हासिल करने वाले उम्मीदवार की अच्छी पकड़ होने गाथा गाते हुए नजर आए। किसी ने कहा कि घड़ी वक्त बदलेगी तो कोई बोला आम की मिठास का समय आ गया। लेकिन सभी उम्मीदवारों के भाग्य का पिटारा 12 मार्च को खुलेगा उसी में जीत हार की पर्ची निकलेगी।

बवानी। खेड़ाचुनावी नतीजों का लेकर जोड़ घटाते लगाते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

अधिकतर वार्डों से तिकोनीय मुकाबला

बवानी खेड़ा के 16 वार्डों में अधिकतर वार्डों में तिकोनिय मुकाबला देखा जा रहा है। सभी पार्षद उम्मीदवार अपने आपको जहां जीता हुआ मान रहे हैं तो कुछ क्षण बाद उनकी धड़कने तेज हो जाती हैं कि कहीं विपक्षी उम्मीदवार ने उनके वोटों में सेंध लगाकर अपने पक्ष में मतदान करवा लिया हो। हालांकि वोटरों ने इस बार अपने पत्ते नहीं खोले ओर चप्पी साधे रखी जिससे उम्मीदवार 10 दिनों तक अपनी जीत-हार की उधेड़बुन में रहेंगे।

किसी ने फीडबैक लिया तो किसी ने निपटाए काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

■ प्रत्याशियों ने अखबारों व टीवी पर मतदान की अपडेट ली

देर रात तक बवानीखेड़ा व लोहारू नपा के चुनाव सम्पन्न हुए। सुबह सवेरे उम्मीदवार व समर्थक फुर्सत में नजर आए। नपा चेयरमैन के प्रत्याशियों ने सुबह ही मतदान का फीड बैक लिया। साथ ही समर्थकों से मतों का जोड़ व घटा का सामजस्य बैठाया। दूसरी तरफ कुछ प्रत्याशियों ने करीब एक सप्ताह से आंखों में बाकी बची नींद को पूरा किया। उनके सुबह एक बार फोन ऑन होने के बाद फिर बंद हो गए। शाम चार बजे तक उनके फोन आऊट आफ रेंज या फिर बंद रहे। यह नजारा पूरे दिन बना रहा।

नहीं हो पाया संपर्क

देर रात तक उम्मीदवार व समर्थक मतदान से फारिग होकर अपने अपने घर चले गए। सुबह उठे, उनमें से कुछेक समर्थक अपने अपने प्रत्याशियों के घर पहुंच गए और मतदान के रिजल्ट का जोड़ व घटा लगाने लगे। इसी दौरान प्रत्याशियों ने अखबारों व टीवी पर मतदान की अपडेट ली। करीब दो घंटे तक उम्मीदवार व प्रत्याशी रिजल्ट के जोड़ व घटा में लगे रहे। फीड बैक लेकर कुछ प्रत्याशियों ने अपने घरेलू कार्य निपटाने आरंभ कर दिए तो कुछेक प्रत्याशियों ने अपने अपने मोबाइल फोन आऊट ऑफ रेंज करके सो गए। शाम तक समर्थक उनके मोबाइल फोन पर घंटियां करते रहे,लेकिन उनसे सम्पर्क नहीं हो पाया। इस दौरान मतदान की जानकारी सांझा करने के लिए समर्थक उनके आवास पर भी पहुंचे,लेकिन उनसे सम्पर्क नहीं हो पाया। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से बवानीखेड़ा व लोहारू में नपा चेयरमैन के चुनाव के लिए प्रत्याशी जनसम्पर्क में जुटे हुए थे। रविवार देर शाम तक मतदान की प्रक्रिया पूरी हुई और आज उनको चुनाव से आराम मिला।

पूर्वमंत्री सांगवान ने हमेशा बुलंद की जनता की आवाज: सोमेश

चरखी दादरी । सरपंच एसोसिएशन हरियाणा के पूर्व प्रधान सोमेश कुमार ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि दिवंगत सहकारिता मंत्री सतपाल सांगवान को हम सदा ऐसे व्यक्तित्व के रूप में याद रखेंगे, जो सदा चरखी दादरी विधानसभा के आमजन को बुलंद किया। उन्होंने कहा कि वे चाहे सत्ता में हो या विपक्ष में रहे हो, हमेशा दादरी विस सहित पूरे प्रदेश के आमजन व जरूरतमंद सेवा के लिए तत्पर रहते थे। दादरी के सरकारी हस्तपाल में उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं इजाफा करवाया और विकास कार्य करवाएं, जिसके चलते कोरोना के कठिनकाल में हजारों लोगों का जीवन सुरक्षित बच पाया था। सांगवान कहते थे कि जब हम जनप्रतिनिधित्व चुने जाते हैं तो प्रत्येक नागरिक चाहे वो हमारी विचारधारा के खिलाफ हो या पक्ष में हो, सभी हमारे अपने परिवार का हिस्सा बन जाते है, इसलिए जनसेवा हमेशा निष्पक्ष होकर करनी चाहिए।

शिविर शिविर का चौथा दिन रहा स्वच्छ भारत थीम को लेकर स्वच्छता व जागरूकता को समर्पित

राष्ट्रीय सेवा योजना करती है स्वयंसेवकों का सर्वांगीण विकास : शिवरतन गुप्ता

स्वयंसेवकों को भारत को स्वच्छ रखने की शपथ दिलवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

आज के युग की भागदौड़ भरी जिंदगी में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर युवाओं में जागरूकता भरने में अहम भूमिका अदा करेंगे । राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करती है।

यह बात सिद्ध पीठ बाबा जहरगिरी आश्रम में वैश्य महाविद्यालय भिवानी के प्राचार्य डॉ संजय गोयल के नेतृत्व एवं महाविद्यालय की एन एस एस ईकाई -2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशा नेहरा की देखरेख में महाविद्यालय की एन एस एस ईकाई -2 के द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि स्वच्छता-सेवा शिविर स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगा । शिविर के चौथे दिन आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम का शुभारंभ परम श्रद्धेय महंत कैलाश गिरी, वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता,वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, प्रोफेसर सविता जैन, डीन एकेडमिक डॉ नरेंद्र चाहर ,एन. एस. एस. यूनिट 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशा नेहरा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया । आज के दिन की शुरुआत प्रभु वंदन से हुई। आज के दिन की सारी जिम्मेदारी भगत सिंह ग्रुप को सौंपी गई।

प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वच्छता-सेवा अभियान एक ऐसा आंदोलन है जिसका उद्देश्य हमारे समाज को स्वच्छ और स्वस्थ बनाना है। यह अभियान हमारे स्वास्थ्य, पर्यावरण और समाजिक विकास के प्रति हमारी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करने का प्रयास है।शिविर में मुख्य अतिथि महंत कैलाश गिरी , वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता, एवं वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल द्वारा स्वयंसेवकों को भारत को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाते हुए स्वच्छता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया व स्वयंसेवकों को स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस मौके पर एन. एस. एस. यूनिट 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ आशा नेहरा, डॉ सुरुचि गुप्ता और कॉलेज का स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

समाधान शिविर में आने वाली शिकायत का हो शीघ्र समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

■ उपायुक्त बोले- अधिकारी समाधान शिविर में शेष रही शिकायतों को अतिशीघ्र निपटाएं, नहीं तो होगी विभागीय कार्रवाई

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा है कि समाधान शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत का अधिकारी शीघ्र समाधान करें और उसका विवरण पोर्टल पर भी अपडेट करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को निर्धारित समयावधि में निपटाए अन्यथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उपायुक्त लघु सचिवालय के डीआरडीए हाल में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की शिकायतों का निपटान कर रहे थे।

महावीर कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश है कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक फरियादी को संतुष्ट करके घर वापस भेजा जाए। सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निर्धारित समय अवधि में पात्र नागरिकों को देने में कोताही को सहन नहीं किया जाएगा। सरकार ने आमजन की शिकायतों का समाधान करने के लिए समाधान शिविर के रूप में एक बेहतर मंच प्रदान किया है। अगर शिकायतों का समाधान नहीं किया गया तो लोगों का समाधान शिविर से विश्वास उठ जाएगा। नागरिक प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर में समस्या रख सकते हैं।

भिवानी। परीक्षा केंद्र के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे, परीक्षा केंद्र के बाहर पुलिस कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते एसपी, परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते उपायुक्त व परीक्षा केंद्र पर रिकार्ड की जांच करते एसडीएम। फोटो: हरिभूमि

डीसी और एसपी निकले फिल्ड में, परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

फटकार का ऐसा हुआ असर, दिवारों पर चढ़ बाहरी तत्वों पर रखी नजर

परीक्षा शुरु होने से पहले केंद्रों पर पहुंची पुलिस, जांच पड़ताल के बाद परीक्षार्थियों को मिला प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

दो दिन पहले परीक्षा में नकल पर सख्ती के बाद अफसरों पर गिरी गाज का असर सोमवार को जिले के परीक्षा केंद्रों पर देखने को मिला। पूरा प्रशासन परीक्षा केंद्रों पर नजर आया। यहां तक कि परीक्षा शुरू होने से पहले ही परीक्षा केंद्र की दिवारों पर पुलिस कर्मचारी चढ़ गए और बाहरी तत्वों को केंद्र से दूर रहने की सख्त हिदायत दी। परीक्षा शुरू होने से लेकर समाप्ति तक पुलिस प्रशासन परीक्षा केंद्र पर ही तैनात रहा। इस दौरान एसडीएम से लेकर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक भी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते नजर आए। प्रशासनिक सख्ती की वजह से परीक्षा डयूटी देने वाले शिक्षक राहत की सांस लेते नजर आए। दोपहर साढ़े 12 बजे दसवीं क्लास के अंग्रेजी विषय का पर्चा शुरू हुआ। इससे पहले ही पुलिस प्रशासन सभी परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गया। जिस वक्त परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। उसी वक्त पुलिस परीक्षा केंद्रों पर पहुंच गई। पुलिस प्रशासन ने परीक्षा केंद्र के बाहर परीक्षार्थियों के साथ आए अभिभावकों को वहीं वापस कर दिया। किसी भी व्यक्ति को परीक्षा केंद्र के पास फटकने तक नहीं दिया। यहां तक कि पुलिस कर्मचारी परीक्षा केंद्र की दिवारों व छत पर चढ़ गए और वहीं से बाहरी तत्वों को परीक्षा केंद्र से दूर रहने की हिदायत दी। इस दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर व भीतर भी पुलिस की गश्त रही। परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा।

भिवानी। परीक्षा केंद्र बाहरी तत्वों को खंदेडने के चलते दिवारों पर चढ़े पुलिस के जवान। फोटो: हरिभूमि

नकल का मामला पकड़ में आया तो नपेंगे पंच- सरपंच

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि नकल रहित परीक्षा के विषय को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी सभी एसडीएम, डीएसपी, जिला शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला विकास एवं पंचायती अधिकारी व सरपंचों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि संबंधित गांव के सरपंच की जिम्मेदारी है कि उसके गांव के क्षेत्राधिकार में आने वाले परीक्षा केंद्र में नकल रहित परीक्षाएं सुनिश्चित करवाना है। इसके साथ उन्होंने कहा कि अगर किसी गांव में नकल का मामला पकड़ा गया तो उक्त परीक्षा केंद्र को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा। इसके साथ ही संबंधित सरपंच व पंच पर भी कार्रवाई के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एसपी व उपायुक्त निकले परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के लिए

उपायुक्त महावीर कौशिक व जिला पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने सोमवार को गांव तिगड़ाना और धनाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाए गए परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे व कंट्रोल यूनिट को भी चेक किया गया। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि सरकार की सख्त हिदायत है कि अगर नकल के मामले में परीक्षा केंद्र अधीक्षक अथवा निरीक्षक या अन्य कोई स्टाफ सदस्य संलिप्त पाया जाता है तो उसका नौकरी से निष्कासन तय है। उन्होंने कहा कि नकल रहित परीक्षाएं करवाने के लिए एसडीएम की फ्लाइंग स्क्वाड बनाई गई है। इसके अलावा संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी भी परीक्षाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नकल रहित परीक्षाएं करवाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ पहुंची तो तुरंत होगी गिरफ्तारी

जिला पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि जिला के परीक्षा केंद्रों में नकल रहित परीक्षाएं करवाने के लिए पुलिस की 10 पेट्रोलिंग पार्टियां काम कर रही हैं। एक पेट्रोलिंग पार्टी निर्धारित समय में आधा दर्जन से भी अधिक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रही है। परीक्षा केंद्रों के बाहर भीड़ इकठ्ठी न होने देने के स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र में पांच-पांच पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। परीक्षा केंद्रों की छतों पर भी पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। नीतीश अग्रवाल ने बताया कि ड्यूटी देने वाले पुलिसकर्मियों को हिदायत जारी की गई है कि अगर परीक्षा केंद्र के बाहर भीड़ एकत्रित होती है तो ऐसे लोगों को तुरंत प्रभाव से हिरासत में ले लिया जाए ड्यूटी में कोताही कतई सहन नहीं की जाएगी।

सीसीटीवी कैमरा व कंट्रोल यूनिट का भी किया निरीक्षण

विगत में प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगवाए जाने के निर्देश थे। उसी आदेश के तहत उपायुक्त व एसपी ने परीक्षा केंद्र के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। साथ ही यह भी जानकारी ली गई कि उक्त कैमरे काम कर रहे है या नहीं। इस बारे में परीक्षा केंद्र स्थित नियंत्रण कक्ष में जाकर जांच व जानकारी ली।

पेपर लीक अथवा नकल में संलिप्त होने पर निष्कासन

- उपायुक्त ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सख्त हिदायतें जारी की

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर सख्त हिदायतें जारी की है। आज देर सांय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर प्रदेश के सभी उपायुक्त के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद उपायुक्त महावीर कौशिक ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण एवं नकल रहित परीक्षा करवाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता व जिम्मेदारी है । उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अथवा ड्यूटी देने वाला स्टाफ पेपर आउट करने अथवा नकल के मामले में शामिल पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही लाजमी है । उपायुक्त ने कहा कि मुख्य सचिव ने दो टूक शब्दों में कहा है कि अगर ऐसी गतिविधि में कोई प्राचार्य अथवा परीक्षा केंद्र अधीक्षक संलिप्त पाया जाता है तो वह निलंबित नहीं बल्कि स्वयं को नौकरी से निष्कासित समझे । उपायुक्त महावीर कौशिक ने निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्र के बाहर व परिसर में भीड़ नजर नहीं आनी चाहिए। संबंधित परीक्षा केंद्र के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भवन की छतो पर रहेंगे । इसके अलावा सभी परीक्षा केंद्रों के मुख्य द्वार पर कैमरा लगाने के निर्देश दिए गए हैं । उपायुक्त ने निर्देश देते हुए कहा कि जिन परीक्षा केंद्रों के बाहर चार दिवारी नहीं है वहां पर स्थाई तौर पर बैरिकेडिंग की जाए। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड तथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा दसवीं व 12वीं की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है । ये परीक्षाएं 27 मार्च तक चलेगी । जिला भिवानी में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के लिए 75 तथा केंद्रीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के लिए 13 केंद्र बनाए गए हैं। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चोपड़ा, भिवानी एसडीएम महेश कुमार, तोशाम के एसडीएम डॉ अशवीर नैन और लोहारू के एसडीएम मनोज दलाल व शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

एसडीएम ने बहल गिगनाउ, ढिगावा, चैहड़ कलां, कुडल व के परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

- उपायुक्त महावीर कौशिक के निर्देश पर सख्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू/बहल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित सेकेंडरी तथा सीनियर सेकेंडरी की परीक्षाओं को नकल रहित एवं बिना बाहरी हस्तक्षेप से संचालित करने के लिए उपायुक्त महावीर कौशिक के निर्देश पर एसडीएम मनोज कुमार दलाल ने सोमवार को गांव की गिगनाउ, ढिगावा, चैहड़ कलां, कुडल तथा बहल के परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में तैनात अधिकारियों तथा संबंधित गांव के जनप्रतिनिधियों से कहा कि नकल एक सामाजिक बुराई है, इससे बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। इसलिए सभी अधिकारियों तथा संबंधित गांव के जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्ध नागरिकों को नकल जैसी बुराई को जड़ से खत्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को नकल रहित तथा बिना बाह्य हस्तक्षेप के परीक्षाएं संचालित करने में अपना योगदान देना चाहिए।

एसडीएम ने किया परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

- निरीक्षण के दौरान परीक्षार्थियों की पूछताछ कर जांच भी की

हरिभूमि न्यूज ⏭लोहारू

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा संचालित सेकेंडरी तथा सीनियर सेकेंडरी की परीक्षाओं को नकल रहित एवं बिना बाहरी हस्तक्षेप से संचालित करने के लिए उपायुक्त महावीर कौशिक के निर्देश पर एसडीएम मनोज कुमार दलाल ने सोमवार को उपमंडल के गांव गिगनाऊ, ढिगावा, चैहड़ कलां, कुड़ल सहित अनेक गांवों में स्थित परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नकल को सामाजिक बुराई बताते हुए परीक्षार्थियों ने मेहनत से परीक्षा करने की सलाह दी। वहीं परीक्षा केंद्र पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को कहा कि परीक्षाओं को नकल रहित संपन्न करवाना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। एसडीएम मनोज दलाल ने जनप्रतिनिधियों तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को नकल रहित तथा बिना बाह्य हस्तक्षेप के परीक्षाएं संचालित करने में अपना योगदान देने का आह्वान किया। एसडीएम ने बताया कि केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और नकल रहित पाया गया।

उन्होंने ने सभी केंद्र अधीक्षक, मुख्य परीक्षा नियंत्रक और सरपंचों को नकल करने वाले और नकल करवाने वालों पर सख्ती बरतने के आदेश जारी किए। उन्होंने बताया कि सभी केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है। इस दौरान श्याम सुंदर सांगवान सहित कई अधिकारी उनके साथ रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों की पूछताछ कर जांच भी की।

एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

- सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, आवश्यक निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

सोमवार को पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा ने दादरी जिले के वैश्य स्कूल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दादरी, छपार, पैंतावास कलां व अन्य बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी, छात्रों के बैठने की व्यवस्था आदि का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

परीक्षा कक्षों का दौरा कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को सतर्क रहने और हर स्थिति पर नजर बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए, ताकि परीक्षा को पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष संपन्न करवाया जा सके।

चरखी दादरी। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा। फोटो: हरिभूमि

उन्होंने ड्युटी पर मौजूद पुलिस कर्मचारियों को परीक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और नकलविहीन व निष्पक्ष परीक्षा संपन्न कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने पाए साथ ही परीक्षा केंद्रों की दीवार के आस-पास किसी को भी खड़ा ना होने दिया जाए। कोई भी बाहरी व्यक्ति बिना अनुमति के अंदर ना आए। परीक्षा पूरी पारदर्शिता और कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच संपन्न हो। उन्होंने सभी पुलिस कर्मचारियों को अलर्ट मोड पर रहते हुए बोर्ड के दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा में ड्यूटी पर तैनात अधिकारी और कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें। लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बोर्ड की परीक्षाओं में नकल नहीं होने देंगे: एसडीएम

- बीडीपीओ विनोद सांगवान ने किया परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

उपायुक्त महावीर कौशिक द्वारा वर्तमान में चल रही वार्षिक बोर्ड परीक्षाओ में नकल रोकथाम के लिए निर्देश दिए गए हैं। सरकार बोर्ड परीक्षाओ में नकल रोकथाम के प्रति गंभीरता से कार्य कर रही है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार उपायुक्त महावीर कौशिक द्वारा यह भी बताया गया कि अगर हरियाणा शिक्षा बोर्ड के द्वारा स्थापित किसी भी गांव के परीक्षा केन्द्र में नकल की शिकायते प्राप्त होती है या किसी भी परीक्षा केन्द्र में ग्रामवासी ही नकल को बढ़ावा देते हुऐ पाऐ जाते हैं, तो उस परीक्षा केन्द्र को उस गांव से स्थानांतरित कर दिया जाऐगा। डीसी महावीर कौशिक के द्वारा नकल रोकथाम हेतु दिऐ गऐ आदेशों की दृढता से पालना करना सुनिश्चित करते हुए इसे अति आवश्यक समझा गया है। इसमें किसी भी प्रकार की देरी से लापरवाही के लिए सम्बंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेवार होंगे। उपायुक्त द्वारा निर्देश दिए गए के अनुसार एसडीएम डॉ अशवीर सिंह नैन के कुशल मार्गदर्शन में बीडीपीओ विनोद सांगवान ने राजकीय सिनियर सेकेंडरी स्कूल और दुल्हेडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। परीक्षा केन्द्रों से संबंधित सरपंचो को हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा परिक्षा केन्द्र स्थापित है। वहां परीक्षाओ मे नकल रोकथाम के लिए आमजन को विशेष अभियान के तहत जागरूक करना सुनिश्चित करने के दिशा निर्देश मौके पर ही दिए। ताकि नकल पर नकेल लगाई जा सके।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी को भेंट किए घोंसले

- सांसद ने घोंसले अपने घर में लगाने का किया वादा

तोशाम। डॉ. तरुण शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बंसीलाल राजकीय महिला महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सेव स्पैरो फाउंडेशन द्वारा गौरैया संरक्षण हेतु जागरूकता शिविर भी आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य लोगों को गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। इस शिविर में संस्था सदस्य सारिका बंसल व कांता बंसल द्वारा बताया गया कि देश में गौरैया की घटती आबादी चिंता का विषय है। संस्था लोगों को जागरुक कर रही है, कि वह अपने घर में इस विलुप्त होते पक्षी को जगह अवश्य दें। संस्था द्वारा पूरे देश में अब तक करीब तीन लाख पचास हजार घोंसले उपलब्ध करवाए जा चुके हैं, ताकि इनमें गौरैया रह सकें व प्रजनन करके अपनी संख्या बढ़ा सकें। आधुनिक निर्माण शैली के कारण गौरैया का आवास लगभग खत्म हो चुका है। कार्यक्रम में डॉक्टर प्रोमिला शर्मा ने भी गौरैया संरक्षण हेतु अपने विचार व्यक्त किये। फाउंडेशन द्वारा कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित किरण चौधरी को घोसले भेंट किए गए। किरण चौधरी को फाउंडेशन द्वारा पूरे देश में गौरैया संरक्षण हेतु किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। जिस पर किरण चौधरी ने संस्था के कार्यों की दिल खोलकर प्रशंसा की व घोसले अपने घर में लगाने का वादा किया।

एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी ने ट्रेनों के संचालक को सौंपा ज्ञापन

किसान व हिसार एक्सप्रेस का संचालन बहाल हो

- सिटी स्टेशन शहर से छह किमी दूर, यात्रियों को असुविधा, महिलाओं को सुरक्षा का खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी जिला कमेटी भिवानी के प्रतिनिधि मंडल ने भिवानी जंक्शन से किसान व हिसार एक्सप्रेस के संचालन बहाली की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर की घनी आबादी रेलवे जंक्शन के चारों तरफ रिहायश करती हैं। काफी दिनों से रेलवे प्रशासन द्वारा किसान एक्सप्रेस व हिसार एक्सप्रेस का संचालन सिटी स्टेशन से किया जा रहा हैं, जो शहरवासियों के लिए बहुत बड़ा अन्याय हैं। उन्होंने कहा कि पुराने नियम के हिसाब से भिवानी जंक्शन से बंद की गई दोनों ट्रेनों का संचालन करवाया जाएगा। इसके लिए प्रतिनिधि मंडल ने भिवानी रेलवे जंक्शन पर स्टेशन मास्टर की मार्फत रेलमंत्री भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा।

भिवानी। रेलवे स्टेशन पर विरोध जताते एसयूसीआई कम्युनिस्ट पार्टी जिला कमेटी का प्रतिनिधिमंडल सदस्य। फोटो: हरिभूमि

यह रखीं मांगे

ज्ञापन की मार्फत मांग करते हुए पार्टी के जिला सचिव कामरेड रोहतास सिंह सैनी व कामरेड राजकुमार बासिया ने बताया कि किसान एक्सप्रेस और हिसार एक्सप्रेस ट्रेनों को मुख्य भिवानी रेलवे जंक्शन से संचालन किया जाए। रेलवे प्रशासन के सिटी स्टेशन से ट्रेनों के संचालन के निर्णय से बड़ी संख्या में यात्रियों को भारी असुविधा हो रही है। इनमें दादरी साइड से रेल में आने वाले किसान, बच्चे, बुजुर्ग व महिलाओं को सिटी स्टेशन पर जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सिटी स्टेशन शहर से काफी दूर होने के कारण महिलाओं को काफी खतरा है, क्योंकि ये शहर से 6 किमी दूरी पर स्थित है, इसलिए दोनों ट्रेनों का संचालन रेलवे जंक्शन से बहाल किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कमेटी सदस्य फूलचंद, कामरेड धर्मवीर, कामरेड राजकुमार बासिया, राजाराम ढिनोद, राजेश कुमार आदि शामिल थे।

समाधान शिविर में एक स्थान पर जनसमस्याओं का समाधान

चरखी दादरी। जिला प्रशासन की ओर समाधान शिविर में आने वाली हर एक शिकायत पर उचित एवं प्रभावी कार्रवाई करवाए जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर जिला में उपायुक्त मुनीश शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, जमीनी विवाद और अन्य विभागों से संबधित शिकायतों की सुनवाई की जा रही है। इन सभी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुनकर विभागीय अधिकारियों को न्यायोचित कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। लघु सचिवालय के सभागार में रोजाना कार्य दिवस के दिन सुबह दस से बारह बजे तक समाधान शिविर लगाया जा रहा है। जिला मुख्यालय के अलावा उपमंडल स्तर पर बाढड़ा में भी ये शिविर लगाए जाते हैं। जिससे कि आम नागरिकों को अपनी शिकायतों का समाधान करवाने के लिए अधिक समय तक भटकना ना पड़े और एक ही स्थान पर उनकी समस्या का निवारण कर दिया जाए। इसी उद्देश्य से प्रमुख विभागों के अधिकारी व कर्मचारी समाधान शिविर में उपस्थित रहते हैं।

जय हिन्द आयुर्वेद एवं इलेक्ट्रो होम्योपैथी
भिवानी का पहला हेल्थ केयर जहां नाड़ी डिजिटल मशीन से देख कर रिपोर्ट कार्ड साथ दिया जाता है ताकि उचित इलाज किया जा सके।
- जैसे गाड़ी की सर्विस करवाते हो वैसे ही अपनी बॉडी की सर्विस करवाए ताकि बीमारी पास ही न आए।
- अपनी बीमारी को दबाए नहीं जड़ से ठीक करवाए।
- लीपोमा की गांठ बिना ऑपरेशन इलाज।
- पीत पथरी, किडनी की पथरी,पेट की सभी बीमारी का इलाज।
- शुगर का इलाज,बवासीर और भगंदर का इलाज।
- औरतों की सभी बीमारी का इलाज।
- एक ही जगह सभी थैरपी फिजियो थैरपी, नाचरोथपी (मिट्टी पानी से इलाज), एक्यूप्रेशर थैरपी,कप थैरपी, योगा थैरपी, और बिना किसी साइड इफेक्ट के इलेक्ट्रो होम्योपैथी से सभी बीमारी का इलाज।
- सभी थेरेपी का डिप्लोमा और अनुभवी डॉक्टर द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है।
- अपने बॉस खुद बने और बेरोजगारी से मुक्ति पाए महीने का 30/50 हजार कमाए खुद थेरेपिस्ट बने।
Dr. Krishan Singh
(Naturopath) (रिटायर्ड फौजी)
BEMS, DNYS (MD), D.Ay.A, D.ma.T, D.Ay, D.P.K., DPT
मकान न. 4, पटेल नगर, सीआईडी ऑफिस के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र: 6005452863